

This PDF you are browsing now is a digitized copy of rare books and manuscripts from the Jnanayogi Dr. Shrikant Jichkar Knowledge Resource Center Library located in Kavikulaguru Kalidas Sanskrit University Ramtek, Maharashtra.

KKSU University (1997- Present) in Ramtek, Maharashtra is an institution dedicated to the advanced learning of Sanskrit. The University Collection is offered freely to the Community of Scholars with the intent to promote Sanskrit Learning.

Website https://kksu.co.in/

Digitization was executed by NMM

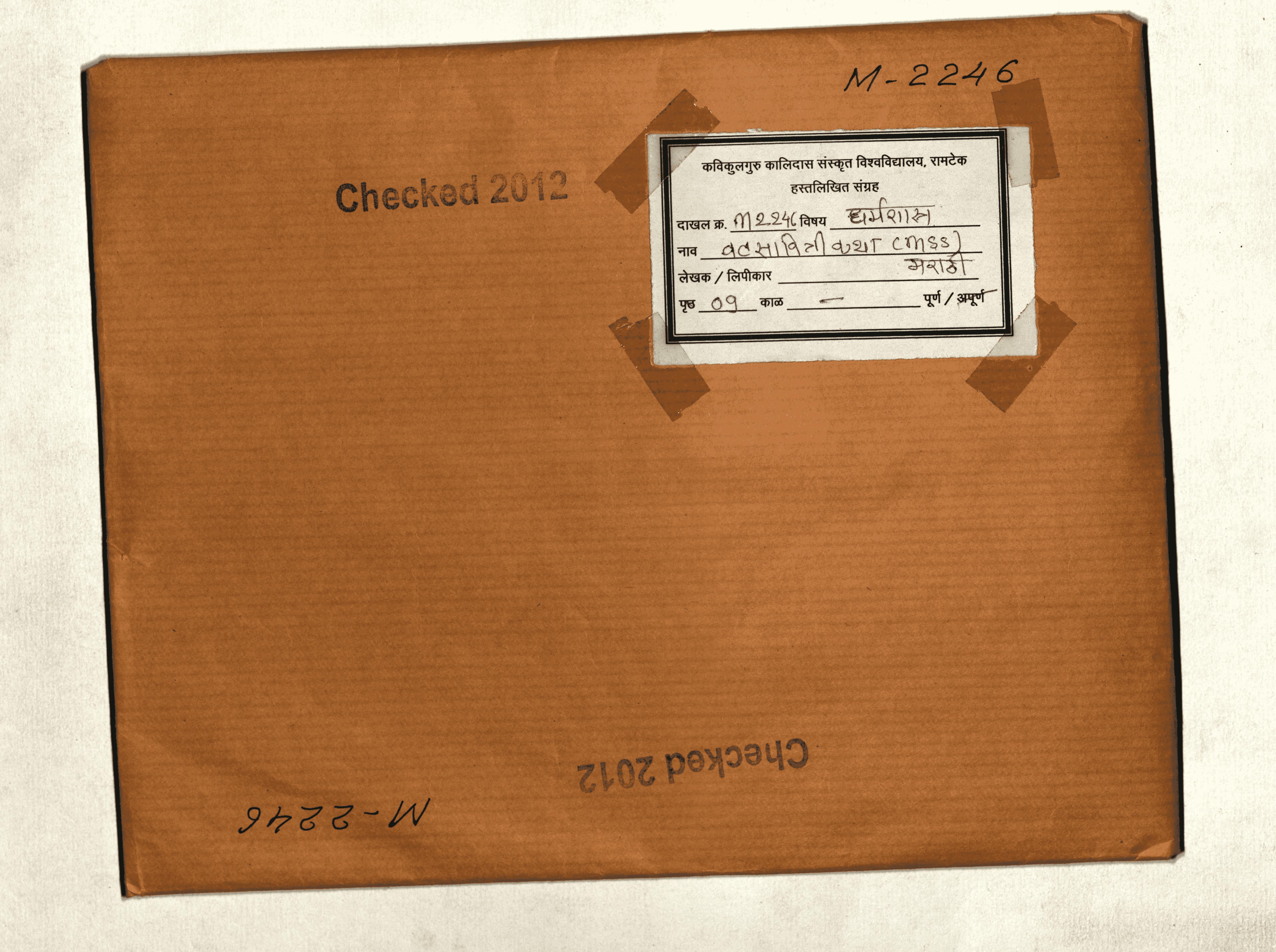
https://www.namami.gov.in/

Sincerely,

Prof. Shrinivasa Varkhedi Hon'ble Vice-Chancellor

Dr. Deepak Kapade Librarian

Digital Uploaded by eGangotri Digital Preservation Trust, New Delhi https://egangotri.wordpress.com/



लिले का निर्मा क्या र न्या है । न माना में यह वर्ग सिर्दिशा विश्व में अगरह व स्था रिन्टार का सम्मान उत्त अंति द्वारा द्यान्य प्रमानं ने द्वारमा महो अंतु स्पान-लिए । द्वा भारतंत्र अन्यनंतर पाच लिन द्वाद्वार पान्त कुल्डा के राज्या जिस्सा मध्ये स्वाभाग्या के का वार्यान के को वार्यान के का वार्यान के 37 रेपा 321 प्राप्त होर्डिंड अल्या न्या प्राप्त का मुख्या की न्था हो देखें के जार पर पर स्टार्ट स्ट्रिंग स्ट् विद्या ना भारत देश द्वाद सर्व स्वार ना स्वार स्व भाषणी हेर्द्व अहम अहम साम साम अगान साम थारगर में । यह ।द पर अदि धर्म प्रतानी मंग्र तम पुने द स्नान

क्यां विश्वावार्त पुरानं कुरवो अपरानं ली जार अर अर अर अर अर अर रणार नार्या राजार या द्वार कार द्वार नार्या स्थान स्थान विश्वास देश उरा हथाना तार २०७ दंश मान. न्यु दर्शन रहा व कार केर केर मार से अहर नार सराहर प्रमान में यह कार के केर के रहती. यहा लान का महिन्दर दिन दिन कर का अवस्था अवस्था । मारे दिसा कर दिन कर के के के किए मारे दे साम है। लाई का स्थान महिला के स्थान के स्थान के स्थान है जह का मुक्त भागात कार्यादा पंचा पाद्धा राष्ट्रा राष्ट्रा राष्ट्रा राष्ट्रा स्टिन्द्र अर्थ अर्थ पुर्दे अगार यह । विकार मार्ट प्रान्ति

प्रमारिकार के हर कर . (पुरस् पुजर कर र वह दि भूप रहिष का ना रामपत दश्याः दृश्य वर्गायुक्त दृश्यात राम भी दश्या नता नुभा ने वा निर्देश कर राजर अपर राजर में दिया में पूर्व प्रम्मान के निर्देश - निर्मान परिवार स्थित था प्राच्या स्थापन स्थापन स्थापन रिक्स पर्या है शहर करा ने अपार्शन कराने । जिस्स अ दिन देश के देश के देश कर है जा है जा है । देश के देश हैं। भारतार के स्वाह सामा मार्गा । यह भारता महत्व स्थान महत्व वास राइटर पुत्र पाया । देन पास राइटर धान राम ना विश्वितः अर्थान्याः पालरिकान्याः सुरक्ष अरवेश अर्था अर्था अप्रान्त में भूत वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष

विदेशी मधा कार का पार ना पार ना सामा है। जा है। जा माने भाग भाग है। द्वार अग पा पर देश पुरा प्राण्य निया निया जिल्ला अर्थन अर्थन स्वित्या प्राप्त प्रकार अधिकारी का विकास अम्बादान सुरदर्श अम्पत्र मार्च सुरदर्श अस्ति। वार्ष्टिवर्द्धां मद्रश्रद्धां मद्रश्रद्धां मुद्रश्रद्धां मुद्रश्यां मुद्रश्रद्धां मुद्रश्रद्धां मुद्रश्रद्धां मुद्रश्रद्धां मुद्रस्थां मुद्रश्रद्धां मुद्रश्रद्धां मुद्रश्रद्धां मुद्रस्थां मुद्रस्धां मुद्रस्थां मुद्रस्थां मुद्रस्थां मुद्रस्यां मुद्रस्थां मुद्रस रिकारिता. परंतु सिकार तहा पुत्रमां तरित कि कि सा विषय राजार हैमें देश । जांचा द्वार अग्ने दुर्च हिन्द हिंद राजा जाता है सामान विभी द्रावेद स्थान वार्य अन्य अन्य सामान CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

यान का बहाद पुरस्क अग्रह - पन्ते मुप्त मार गारहीं वर अवस्ति अस्पाद परियाद वर्ष पार्वाय वर्ष यसिक पर देश महिल्ला जा । जा जा के देश हर देश पुजार हरे हैं अस्परम् द्वार्षित्य विश्वति अस्पर्य प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप् य र देश समा स्टूबर य र देश उर त्या अपार पर पर स्थान में हा देश विविद्ध अवस्थित स्थान स् स्थान सम्बद्धा उत्तर प्रति व निर्देश निर्देश निर्देश पर देश कि निर्देश के निर्ध के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्ध के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्ध के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्ध के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्ध के निर्ध के निर्देश के निर्देश के निर्ध के व स्थिति । व्यव विषय कर विषय अस्ति । अ लिए प्रमुद्देश स्मार । इस्कृति स्वाव दर्श । द्वस्य न्य मारह कार का रिजा के लेखां दर्भ निर्देश दर्भ निर्देश के निर्ध के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्ध के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्ध के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्ध के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्ध के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्ध के निर्ध के निर्देश के निर्ध के नि विश्वार के विश्वया किया उत्तर कर उत्तर का अवता का मार्थ के कार्य म भारत उत्तर मान्य पन द्वार दना अन्तर भरेष । तर दाना वार्ष

अल्लाकार में तर कार महामार हा हा हा महिला में दिर रहे में देश श्रीने के देश हैं। निर्मा (श्री रेट्स अवार अवार मान माना महागार कर अने में में मेरिन अप अप अप या मेरिन द द द निया द द र जा जा जा है। सारियो स्थान रहे जार उत्तार प्रशान मंद्र संद्रात अंद्र ता अरम्बर मारियां भिर्मालक स्राज्यां मध्यान मंद्रियां मार्या कराते के अहर प्रधान जार कर महार में दिर मुत्रम आहे मिल्या के अस्ति स्थाल अस्टिल. मे अप पर समार मारह उसले । कार पर महारे अस्तार असाह - य थाउँ माउन साउन साउन मा अधार अवस्ति मारान्य नार मारान्य मारान्य अवस्ति । CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

and the second s अगरता है भी मेर में प्रधान गरि अगमा राज्या राज्या माना निर्देश की रिक्य यार भार उत्तापन रेमला पाहाल उत्ताल या महिरार महा र तिल्लार. शार मह कर पाछ पुन दार राजाराम्या नंत्रीरे पारबुन्या. उत्तरित्तिन वाहार्यान्ति उत्तर मार्गिया मेर्गिया स्वापित है । जा स्वाप्त कर ने व्याप्ति वास वास वास मान्य अत्यक्षान कर्त । अत्याप्त करता । का अंदर्श से देश हैं है के मार्थ के देश मार्थ से सुक्र ेशना भारतार हे स्वाह अवह न दे वह भारता रहेर र एक पुत्रका हिन्द लिए पार महिन्द स्वाह स्व कर्ष दिन है। दिन स्वासिक स्वास

13 36 6 6 122121116 21 2137 2753 65 29 निर्मा अवस्था है। उन्हें निर्मा स्थान वर्ष प्रान्ति है। ना कि दिया दिया दिया है जिस के कार है के के स्टार की स्टार की के स्टार की स लानी सी वर स्थार भूड व वर वर्ड भार हार १५ जा वर वर प्राप्त देश प्राप्त से वर प्राप्त से वर्ड विक्र में से वर्ड विशे निहित्ति । अवान्य शिक्ष का राजा सार है के अन से नामाना भारकण दिन्द्र नामाना प्राप्त कर दिन नामाना प्राप्त कर है। अस्ति है वर्ग में दूर जिल्ला गारियार राहित वह निम्मान रा उव देन हैं । देना मामारियां देन देन के निर्देश कर देन देन हैं है उत्तरिक मार देश देश कार के के निर्म नाम मार्गिक नंती - राज्य द्वारा मार्ग्या स्वार सार अग्या देशी CC-0. In Public Domain. Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

वासी के विकास के राज्य के राज्य के राज्य के राज्य के उन अत्याहरी देशहरी देशहरी के स्वाहरी के स्वाहरी के सामार निर्द्धानित के स्टामान महाने के निर्देश के निर्ध के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्ध के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्ध के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्ध के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्ध के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्ध के निर् अर्थे क्या महा अगाटका ट्या अग्रेट्या मध्य युम्ट्या कर्मा स्था गामिता हिल्ला । द्वाना प्रदेश कर्ष स्टाम द्वान दिन होता । न्याना अस्य दिला द्या पार १२२ अन्दिर दिन दे द्या प राज्य ग्रेसिंग करें दिन स्वार के स्वार अस्तार मार्थ कार्न अत्वार नाम का वादान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान मेरेशियर अधिक पार्ट देशा निर्देश हैं के रिका कर महिल कि विकास समिति का भी अराभाई युवस निरामिता प्रमा सिन्द्र अधिक देश देश अस्मान हर महत्व देश महत्व के महत्व है अर्दिस पर्देश के अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ पर अर्थ पर अर्थ पर अर्थ में निर्देश महिंद केर अधि गाहिर मार आर्थित महिंद महिंद महिंद महिंद महिंद

या त्यांन मुना वा वा वेट के आहे . उन हम पारि वेट कर्मन करणार्थ परमेर अगड्डर. २००१ रहर परमान् संगित्य अस्ति अस्त श्रिक विकास है देखी सार विकास महाराजिया है कि साम हिंदी का का निर्देश के कि का मिर्वाटक को गारिक प्राप्त कर साम है। है है। है है। है है। निस्ति हो जे निस्ति हो निस्ति हो हो है । जिल्ला हो निस्ति हो । जिल्ला हो हो है । रेन मार कार के निया स्वाह रिकार कर निया कार कर निया कार से किया गरिन रिने हिंदी हैं जिस्सा नारिन महिंदी ने उन्हें जिस्सी के उन्हें हैं जिस्सी के उन्हें जिस के जिस्सी के उन्हें जिस के जिस्सी के उन्हें जिस के जिस्सी के जिस के विदेश अधिकार्या भूग । यह अधिकार अधिकार । देशी मारिस हिंगात है शहार साट्यां मार्ग वृत्ता उत्तर या उसके उट्याद्वार देश गाउर- अनेशाय का कुणराने मासासाजा महिल्लाम भूडिंग स्थाप मारार नहीं अगर कर मुहिंग में हु स्था भाग उत्पात अन्या अन्या अन्य । जनस्य प्राप्त CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

राजार युवसी स्था है। यह भारता ना स्था से ना ना से पुरस्ति है। अम्बद्धारिक नार दर स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान मिन्द्रिकृति अस्तिः नात्रवृत्तिः ज्यार्थितः रेशी मार्ग्या कर मार्थ भाषा नार स्था है । जा स्था प्रार्थ प्रार्थ प्रार्थ है । जा स्था प्रार्थ प्रार्थ प्रार्थ है । नित्य परित्य असे नित्र हैं। स्ट्रिया परित्य अस्ट्रिया अस कित्य विकास अंदर्श अंदर्श अंदर्श अंदर्श मेर काल्य का जात । इति द्वार कर कर कर कर कर कर कर कर के कार के जार है। जुड़न मेनाराष्ट्र अर्थ के दार सम्दर्भ परिवार वहार वहार कर अर सम्मान स्वर कर महिंदा दिए के रेग्टर में थार में मार दे हिंद न मा अप उत्तर के । अर निरिवर्शनित उपरिवर्शन स्ट्राइ । देन र ने नाम भाव

मारियों कर के लिया है के हिंदी के देश मारिए में अपने पुरद्वा व्यक्ति के दिन विकास का सम्बद्ध स्थान सम्बद्ध है। अभागे अस्ति अस्ति विश्वास्ति विश्वास्ति विश्वासिक विष्वासिक विष्वासिक विष्यासिक विष्यासिक विष्यासिक विष्यासिक विष्यासिक विष्यासिक विष्या अद्भार पुरुष इश्राहर्श - निर्दा अहिंदि अहिंदि अहिंदि रिरिष्ट देश देश मार्थिय मिला है। एक मार्थिय महिला प्राप्त के मार्थिय मेरिटेरी मार्गिर मिरिटिंडिं हर्ने अग्रह मार्गिया के मा धारी देश है। हिंद अस्पार्श प्रमान प्रमान है। देश नाम के माना के माना है। रेन्ट्य महत्र हिंदा महत्र महिंदा महत्र दश्री पाल्या के स्वान दश्रा गार्ज न रेग दश्रा पाल के यह दश्रा दश्रा के करात भागम्बर्गान वार्षिकार वार्षिकार वार्षिकार अवस्थान ने देश देश देश के देश के देश के प्रमान के के 375 3748 39 201 1 Hay 37 27 427 41 3527

वात अस्ति भाग उभागा दार दारा दारा दारा दारा दारा दारा द्वारा स्तित्व स्टिस्टिय प्रति । अत्य निया निया पुज्य रिटिंग रिक्ट स्थान कर के राज्य के राज्य के का मार्थ कर मार्थ कर । प्रति विश्व कर्ति के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश कर कि निर्देश के निर्ध के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्ध के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्देश के निर्ध के निर्देश के निर्ध के न रानिया अवस्थित उत्तर अन्य अन्यान अन्यत्वार भागान्य 92 2 3 3 2 6 8 4 6 8 6 6 7 2 7 6 5 7 . 4 7 2 7 C 2 5 0 1 7 -4 3 7 3 3 3 7 7 4 6 7 भाउतिक विकास । दिन सम्पान दूस सामित दूस सामित दूस समान है-अवस्थान में देश में देश हैं है कि स्टार्ग का निवार के लिया है है अप का अर लिया विकेत के का भागा हर वह कार का गाम भागा भागा भागा है।

सी का लगा है के का माउन पराहर कर कर उन्हें हैं। भरत उसीन अने समान साम भाषणा दूर दुन समायत है। वास्त्रात्म के अस्ति हु तर भारता दे असा अस्ति हु हु -देश शहर भागा नाय मुद्दार सामा का त्या प्राप्त था हिंदी है। रामित्र के व्यक्ति भागा हरेगा उस गाउँ राष्ट्र स्थान निर्मित्र के महा विद्या विद्या विद्या विद्या । यह के त्या विद्या । यह विद्या विद्या । यह विद्या विद्या । यह विद्या विद्या । यह विद्या विद्या । यह रिया में अधिक अंगिर में अंगिर अंगिर अंगिर के अंग 29, 214 cest nest 30 27 3 com 57/067 कित्या लेखकार महित्र भारता कुराधार गा उत्ता भारता कुराधार गा उत्ता स्था रेशियाँ स्थानिको प्रदेश के अगर है। स्थानिक रिया के विकास के स्थानिक जिल्ला महिन्द्र महामा पुरुष अस्ति अस्ति। अस्ति। का अवह अवह परार्थित महिना । अने स्थान देशका रागियोंने अकार क्या नाम सम्बद्धार हे जिले. CC-0. In Public Domain. Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

क्षिता है से वार्ष के वार्ष के निया में कि के कि के निया में के निया में कि कि में कि निया में कि मे युक्त पहार कर के तार अगाउन भारता महार महिर माहर साहर माहर से राजित अस्ति भारति मार्थित भारति । उत्तर अस्ति । जिल्ला मान श्राम निर्मा अस्ति विकास के विकास के दिन विकास के दिन विकास के ते के ते हैं जिल्हें हैं । अस्ति के ते कि ते क निया है। अस्ति महिंदी अभागति स्वत्य प्राप्त का का का का का ने अरहित है महिन्दिन महिन्दित अन्ति अन्ति स्वादिन महिन्दिन रम्भागा अरह हर है असट यह अरात है समाह मि अराजिए अराजिए अराजिए वास्तित्त द्वान वाहिलाहा । द्वान वाह भागा । वाह के माना वाह ।

द्वापाली शाम प्रभाव पाल पाल करें (2) भारत सम्मान्यान्य निया रिष्ठ में में अने उत्तर धारित में (3) भारत साम्य भाष्ट्र मार्थ स्मिति। विकास कार्या के मार्थ महामार्थ प्रमान करा है। भारता अवस्था उत्तर का महाराष्ट्र महार्थ । स्वाय वर्ष भू वर्ष स्वाय स्व भागा अवस्थित द्वा अगावा द्वा अग्ना द्वा अग्ना के के के र द्वा ना व अवस्थित देश कार्या ता 3 तर्ग या या स्टार्ट्य स्वान स्वा रिक्ति देव देव देव अग्रामा देव अग्रामा मान्य देव निर्मा अवस्थित स्थान देश हुन हुन हुन हुन स्थान पर स्थान प्रस्ता स्थान स्थान स्थान CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

दिष्युन स्वार्थना दिन कार्या पारत कर कर स्वार्थ यह अगाना के युन बाट प्रदेश रेश देश देश देश देश के विद्या माण के देश इन्तरम्बर्ग के स्वार्थ स्थान अर्टना भार पूर्व त्या स उत्बार से न्द्र हैं ने स्ट्रिंग स्ट्रिंग स्ट्रिंग मुरेकार है। ला उरक् अरहत्याः । जिल्ला देश दर्गा भाग रागम् या विसंद्य वा विस्ति से स्थान से अपने अपने से स्ट्राह ला र श्रीतान है प्रजात के देश निर्मा प्रमार्थित है। है है है। वार सिंदिर विश्व ति स्वान ना मिला मिला के निर्मा के ना कर से मिला के ना कर है । ल-मल्या (द्वाहरी पारिकार केरी केरी केरी केरी न्य निर्मा अपने अपने का अपने मार्ग का अपने मार्ग का अपने मार्ग में सा सामा स्थान का मार्थ के मार् अस्ति है - दिन के मार्ग के अपने के स्टार के सार मुन्ति स्टार के सार मुन्ति स्टार के सार मुन्ति सार रियार लेक्स स्वित्र र कि दिन दिस्सा उत्र र से अप र से

विन्यांच्याः पर्याद्धः अवस्य क्षान्याः स्टूबिकः र्डिय भारति । इन मासा अने इति । द्यान ने भारति । अर्थित सम्बद्धान में वाद्य अरहे - दे । ते हरी का पर दियों ति रगि उपराम्य सर्वा सर्वा स्थान सर्वा नियान सर्वा स CC-0. In Public Domain.Kavikulguru Kalidas Sanskrit University Ramtek Collection

[OrderDescription] ,CREATED=13.12.19 14:57 TRANSFERRED=2019/12/13 at 15:01:16 ,PAGES=19 ,TYPE=STD ,NAME=S0002336 Book Name=M-2246-VATSAVITRI KATHA ,ORDER_TEXT= ,[PAGELIST] ,FILE1=0000001.TIF ,FILE2=00000002.TIF ,FILE3=0000003.TIF ,FILE4=0000004.TIF ,FILE5=0000005.TIF ,FILE6=0000006.TIF ,FILE7=0000007.TIF ,FILE8=00000008.TIF ,FILE9=0000009.TIF ,FILE10=0000010.TIF FILE11=0000011.TIF FILE12=0000012.TIF FILE13=0000013.TIF FILE14=0000014.TIF

FILE15=00000015.TIF ,FILE16=00000016.TIF ,FILE17=00000017.TIF ,FILE18=00000018.TIF ,FILE19=00000019.TIF